

दिल्ली में दशहरा समारोह में कलाकारों की आरती उतारते प्रधानमंत्री मोदी।

नवरात्र में वैष्णो देवी पहुंचे 3.81 लाख श्रद्धालु

(सुरेश एस डुग्गर)

जम्मू, 21 अक्टूबर। शारदीय नवरात्र में माता वैष्णो देवी के दरबार में श्रद्धालुओं की आमद बढ़ी है, लेकिन सालाना यात्रा को एक करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य अब भी चुनौती बना हुआ है। 11 से 19 अक्टूबर तक करीब 3.81 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। वहीं, जनवरी से सितंबर 2026 तक कुल 73.38 लाख श्रद्धालु यात्रा कर चुके थे। श्राइन बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, नवरात्र के पहले आठ दिनों में 3.62 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। 11 अक्टूबर को 47,574, 12 अक्टूबर को 48,400 और 13 अक्टूबर को 46,558 श्रद्धालु पहुंचे। 17 अक्टूबर को 48,500 और 18 अक्टूबर को 47,700 श्रद्धालुओं ने यात्रा की। सालाना एक करोड़ का आंकड़ा पार करने के लिए अक्टूबर से दिसंबर तक करीब 26.62 लाख और श्रद्धालुओं का पहुंचना जरूरी होगा।

रावण दहन के बाद दिल्ली-एनसीआर में बढ़ा प्रदूषण, सांस लेना हुआ दुश्वार

न आसमान दिखायी दे रहा न सूर्य की लालिमा

नयी दिल्ली, 21 अक्टूबर (ईएमएस)। दशहरा पर हुए रावण दहन के बाद दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ गया है। बम-पटाखों की धुंध, धूल और शुष्क मौसम ने मिलकर ऐसी घुटन पैदा कर दी है जिससे लोगों का सांस लेना दुश्वार हो रहा है। न आसमान दिखाई दे रहा है न सूर्य की लालिमा, बल्कि दूर दूर तक बस धुंध का गुबार नजर आ रहा है। बुधवार का एक्यूआई स्तर सीवियर केटेगरी में पहुंच गया है। भारत मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को दिल्ली-एनसीआर का मौसम धुंध भरा और शुष्क रहेगा। एनसीआर में पटाखों का धुआं और पराली जलाने का मौसम शुरू होने से हवा की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। एक्यूआई के मुताबिक बुधवार की सुबह एक्यूआई 290 पहुंच गया है, जो सीवियर केटेगरी में आता है। वहीं नोएडा की बात करें तो यहां एक्यूआई 294 दर्ज किया जा रहा है। यह एक्यूआई खतरनाक श्रेणी से बस कुछ ही पॉइंट दूर है। सीवियर केटेगरी में पहुंची हवा की वजह से लोगों को खुले में सांस लेने में दिक्कतें हो रही है। खासतौर पर अस्थमा और रेस्पिरेटरी संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को परेशानियां हो रही हैं, जबकि स्वस्थ लोग इस मौसम से एलर्जी की चपेट में आ रहे हैं और संक्रमण के शिकार हो रहे हैं। लोगों में सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। आज तापमान की बात करें तो दिल्ली में अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। वहीं हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से हल्की से मध्यम गति से चल रही है। यही वजह है कि स्मॉग की चादर तनी हुई है। भारत मौसम विभाग की मानें तो बुधवार सुबह में ज्यादा और दोपहर में कम रहेगी। फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में इस स्मॉग से अभी राहत मिलना मुश्किल है। आमतौर पर हल्की बारिश भी इस प्रदूषण को बिठा देती है और हवा को शुद्ध कर देती है। रिपोर्ट के मुताबिक पीएम 2.5 और पीएम 10 का स्तर ऊंचा है, जिससे सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। बच्चों और बुजुर्गों को बाहरी गतिविधियों से बचने की सलाह दी जा रही है। मास्क पहनने। दशहरे के त्योहार के बाद प्रदूषण की परत धीरे-धीरे गाढ़ी हो रही है। सुबह की धुंध और शाम की हल्की धुंध दोनों जगह महसूस हो रही है. विजिबिलिटी सामान्य है, लेकिन हवा की गुणवत्ता चिंता का विषय बनी हुई है। हालांकि अगले कुछ दिनों में भी साफ आसमान और समान तापमान का अनुमान है। नागरिकों को सुबह-शाम व्यायाम के समय सावधानी बरतनी चाहिए। खिड़कियां बंद रखकर एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल फायदेमंद हो सकता है।

दूर-दूर तक धुंध का गुबार आ रहा नजर



ऑस्ट्रेलियाई सांसद को कार से कुचला, एक पैर काटना पड़ा

मेलबर्न, 21 अक्टूबर (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया की निर्दलीय सांसद हेलेन हेंस पर उनके चुनाव कार्यालय के बाहर जानलेवा हमला हुआ है। विक्टोरिया राज्य के वांगाराटा शहर में एक कार चालक ने जानबूझकर उन्हें दो बार कुचला, जिससे उनके दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं। 65 वर्षीय सांसद की आपातकालीन सर्जरी की गई, जिसमें उनका एक पैर काटना पड़ा, जबकि दूसरे पैर को बचाने का प्रयास जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक टोयोटा लैंडक्रूजर कार ने पहले हेन्स को टक्कर मारी, फिर यू-टर्न लेकर उन्हें दोबारा कुचला और अपनी कार के साथ दबा दिया। घटना के बाद उन्हें हेलीकॉप्टर से मेलबर्न के अल्फ्रेड अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी हालत पर नजर रख रही है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने जानबूझकर किया गया हमला बताया है, यह कहकर कि यह सामान्य दुर्घटना नहीं लगती।

ट्रेन में तेज आवाज में मोबाइल पर गाना या रील्स चलायी तो लगेगा जुर्माना

नयी दिल्ली, 21 अक्टूबर (ईएमएस)। ट्रेन में सफर के दौरान मोबाइल पर तेज आवाज में गाने, वीडियो या रील्स चलाना अब आपको मुसीबत में डाल सकता है। दक्षिण रेलवे ने ऐसे यात्रियों के खिलाफ सख्ती के निर्देश जारी किए हैं, जिनकी हरकतों से दूसरे यात्रियों को असुविधा होती है। रेलवे के सर्कुलर में 1,000 रुपए तक के जुर्माने और जरूरत पड़ने पर उस व्यक्ति को ट्रेन से उतारा जा सकता है। ट्रेन में सफर के दौरान अगर आपकी भी मोबाइल पर तेज आवाज में रील, वीडियो या गाने चलाते हैं तो संभल जाइए। अब आपके खिलाफ यात्री शिकायत कर सकते हैं और फिर आप पर एक्शन भी हो सकता है।

दलेर मेहंदी शराब नहीं पीते

सिंगर के अपमान से अनुपम खेर आहत

मुंबई, 21 अक्टूबर(ईएमएस)। लोकप्रिय पंजाबी रॉकस्टार दलेर मेहंदी के साथ उत्तराखंड में एक इवेंट के दौरान हुए सार्वजनिक अपमान पर बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल द्वारा मंच पर दलेर को डांटे जाने का वीडियो वायरल होने के बाद, अनुपम खेर ने विदेश से अपना समर्थन व्यक्त करते हुए इसे ठेस पहुंचाने वाला बताया। यह विवाद तब शुरू हुआ जब मंत्री उनियाल ने दलेर की परफॉर्मेंस रोककर उन्हें सबके सामने फटकार लगाई। इस घटना का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर फैल गया, जिसके बाद मीका सिंह, बादशाह, पलाश सेन, कपिल शर्मा, हर्षदीप कौर और अलीशा चिन्नई जैसे कई बॉलीवुड सितारों ने दलेर मेहंदी का खुलकर समर्थन किया। इन सभी ने एक सुर में कहा कि दलेर मेहंदी शराब नहीं पीते हैं और लंबे समय से अस्वस्थ होने के कारण मंच पर अपनी पूरी क्षमता से परफॉर्म नहीं कर पा रहे थे। अब अनुपम खेर ने भी एक वीडियो जारी कर अपने पुराने दोस्त दलेर मेहंदी के साथ हुए बर्ताव पर गहरा अफसोस जताया है। अनुपम खेर ने बताया कि वह फिलहाल विदेश में हैं, और जब उन्होंने यह वीडियो देखा तो उन्हें बेहद बुरा लगा और ठेस पहुंची। उन्होंने मंत्री से सवाल किया कि नाराजगी जाहिर करने के कई अन्य तरीके हो सकते थे, लेकिन किसी कलाकार को सबके सामने इस तरह अपमानित करना गलत था। अनुपम खेर ने अपने पोस्ट में साफ किया कि वह दलेर मेहंदी को 30-35 साल से जानते हैं और अपनी जानकारी के अनुसार उन्होंने कभी सिंगर को शराब पीते नहीं देखा। उन्होंने जोर देकर कहा कि दलेर मेहंदी शराब नहीं पीते हैं और उनके साथ हुए इस बर्ताव पर इंडस्ट्री को एक होकर आवाज़ उठानी चाहिए। अनुपम खेर ने कहा कि किसी कलाकार की परफॉर्मेंस पसंद न आने पर या शिकायत होने पर नाराजगी व्यक्त करना स्वाभाविक है, लेकिन किसी को भी मंच पर सबके सामने बेइज्जत करने के बजाय अकेले में सम्मान के साथ बात की जा सकती थी। उन्होंने सामने वाले की गरिमा का ख्याल रखने की अहमियत पर जोर दिया और दलेर के लिए व्यापक समर्थन की अपील की।



पंजाबी गायक के समर्थन में आया बॉलीबुड, मंत्री की हो रही निंदा

यीशु से मिलने की चाह में 190 बच्चों को भूखा मारने वाला पादरी दोषी

मोम्बासा, 21 अक्टूबर (ईएमएस)। केन्या के इतिहास के सबसे खौफनाक और हैरान कर देने वाले धार्मिक कट्टरपंथ मामले में वहां की एक अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। मोम्बासा की एक अदालत ने स्वयंभू पादरी पॉल मैकेन्जी और उसके 28 सहयोगियों को शाकाहोला जंगल में अंधविश्वास के नाम पर 190 बच्चों और एक वयस्क की हत्या का दोषी करार दिया है। न्यायाधीश डायना कावेद्जा मोचाचे ने फैसला सुनाते हुए कहा कि प्रॉसीक्यूशन ने साबित कर दिया है कि पादरी ने अपने 800 एकड़ के आश्रम में मौत का एक व्यवस्थित पदानुक्रम तैयार किया था। इसके तहत अनुयायियों और मासूम बच्चों को यीशु से मिलने की चाह में भूखा मारकर तड़पा-तड़पा कर मार डाला गया।

















पत्नी का गला काट मंदिर में चढ़ाया, पिता को भी उतारा मौत के घाट

आरोपी फिर खून से सना चाकू लेकर गांव में घूमा, लोगों में दहशत

कोलकाता, 21 अक्टूबर(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के बांकुरा के एक घर में दो लोगों की हत्या कर दी गयी। आरोप है कि एक शख्स ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी थी और उसके बाद उसका सिर काटकर घर के मंदिर में चढ़ा दिया। उसके बाद शख्स ने अपने पिता की भी हत्या कर दी और हाथ में चाकू लेकर गांव में घूमने लगा। यह घटना दामोदर नदी के किनारे लाल बाबा मनाचर इलाके में हुई, जो बांकुड़ा जिले के सोनामुखी पुलिस स्टेशन और पश्चिम बर्धमान जिले के कांक्सा पुलिस स्टेशन की सीमा के पास है1 सूत्रों के मुताबिक आरोपी मंगल चौधरी है। उस पर पत्नी रुंपा चौधरी और पिता राजेंद्र चौधरी की हत्या करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि मंगल ने पहले अपनी ऊंगली काट ली। उसके बाद घर में पत्नी की हत्या कर दी और उसका सिर काटकर घर के मंदिर में त्रिशूल के सामने रख दिया। उसके बाद उसने अपने पिता को भी मौत के घाट उतार दिया। इस वारदात से गांव में डर का माहौल है। मंगल को अपनी घायल उंगली के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। पुलिस ने बताया कि उसे तुरंत अदालत के सामने पेश नहीं किया जा सका, क्योंकि उसका इलाज चल रहा था। जांचकर्ता पता लगा रहे हैं कि क्या इन हत्याओं का संबंध तांत्रिक क्रियाओं से है, हालांकि पुलिस ने अभी तक ऐसे किसी संबंध की पुष्टि नहीं की है। लोगों ने बताया कि मंगल और उनकी पत्नी अपने घर के अंदर बने मंदिर में नियमित रूप से पूजा-पाठ करते थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक तांत्रिक अक्सर इस परिवार के यहां आता-जाता था। इन बातों के चलते इलाके में यह चर्चा शुरू हो गई है कि क्या इस घटना का संबंध तंत्र-मंत्र से हो सकता है।

पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक पाये जाते हैं थायराइड के विकार

नयी दिल्ली, 21 अक्टूबर (ईएमएस)। महिलाओं में थायराइड की समस्या के लिए हार्मोनल बदलाव, आनुवंशिक कारण, रोग प्रतिरोधक क्षमता में अंतर और जीवनशैली जैसे कई कारक जिम्मेदार माने जाते हैं। महिलाओं में आजकल थायराइड की समस्या तेजी से सामने आ रही है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में थायराइड संबंधी विकार अधिक पाए जाते हैं। थायराइड ग्रंथि गर्दन के सामने स्थित होती है और शरीर के मेटाबॉलिज्म, ऊर्जा के इस्तेमाल तथा कई महत्वपूर्ण शारीरिक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने वाले हार्मोन बनाती है। जब यह ग्रंथि पर्याप्त हार्मोन नहीं बनाती, तो इस स्थिति को हाइपोथायराइडिज्म कहा जाता है। वहीं, जरूरत से ज्यादा हार्मोन बनने पर हाइपरथायराइडिज्म की समस्या हो सकती है। दोनों ही स्थितियों में शरीर के सामान्य कामकाज पर असर पड़ता है। महिलाओं में थायराइड की समस्या बढ़ने के प्रमुख कारणों में हार्मोनल उतार-चढ़ाव शामिल हैं।

फ्रांस दंगों में 54 संगठनों की भूमिका का दावा, भारतीय विचारक भी निशाने पर

फ्रांस और भारत में युवाओं के आंदोलनों के बीच संपर्क स्थापित करने की कोशिश

पेरिस, 21 अक्टूबर (ईएमएस)। फ्रांस में हालिया विरोध प्रदर्शनों के दंगों में बदलने और बड़े पैमाने पर हिंसा के पीछे 54 संगठनों और उनके अंतरराष्ट्रीय समर्थक नेटवर्क का हाथ होने का दावा सामने आया हैं। मीडिया रिपोर्ट इन घटनाओं की जटिलता को दिखाती है। रिपोर्ट के अनुसार, पूरे नेटवर्क में कम्युनिस्ट और सोशलिस्ट समूह, छात्र संगठन, ट्रेड यूनियन, फिलिस्तीन समर्थक समूह और कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान शामिल हैं, जिन्होंने फ्रांस को प्रभावित करने वाले प्रदर्शनों में कथित रूप से भूमिका निभाई। रिपोर्ट में भारतीय मूल के वामपंथी विचारक और लेखक विजय प्रसाद का विशेष रूप से उल्लेख है। विजय प्रसाद ट्राइकॉन्टिनेंटल नामक संस्था के कार्यकारी निदेशक हैं, इस संस्था को अमेरिकी मूल के कारोबारी नेविल रॉय सिंघम से वित्तीय सहायता मिलने की बात कही गई है। प्रदर्शनों के दौरान प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पेरिस-नई दिल्ली-ब्यूनस आयर्स लिखकर अलग-अलग देशों के आंदोलनों के बीच समानता जाहिर की थी, जिसे मीडिया ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शनों को समर्थन देने के उदाहरण के रूप में पेश किया है। इंडियन अलायंस पेरिस नाम के फ्रांस स्थित भारतीय समुदाय के संगठन का भी उल्लेख है, जिसने फ्रांस और भारत में युवाओं के आंदोलनों के बीच संपर्क स्थापित करने की कोशिश की। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने वामपंथी राजनीतिक दल ला फ्रांस इंसौमिस (एलएफआई) पर प्रदर्शनों का राजनीतिक फायदा उठाने और अव्यवस्था बढ़ाने का आरोप लगाया है। हालांकि, रिपोर्ट सीधे तौर पर हिंसा भड़काने में सभी 54 संगठनों की भूमिका साबित नहीं करती, बल्कि उनके प्रदर्शनों में शामिल होने और समर्थन देने के जुड़ाव को दिखाती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि किसी संगठन का प्रदर्शन में शामिल होना, समर्थन देना या वीडियो साझा करना अपने आप में हिंसा कराने का प्रमाण नहीं है। ये प्रदर्शन मूल रूप से शिक्षा व्यवस्था, महंगाई और सरकारी नीतियों को लेकर शुरू हुए थे, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से हिस्सा लिया। हालांकि, कुछ स्थानों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटनाएं भी हुईं, जिससे इन विरोध प्रदर्शनों का स्वरूप बदल गया।

नाबालिगों के माता-पिता से वसूला जायेगा हर्जाना

हिंसक प्रदर्शन पर बोलीं मेलोनी ,सोशल मीडिया से जुटे युवा भी निशाने पर

मिलान में लूटपाट,तोड़फोड़ से करीब 10 लाख यूरो का नुकसान

रोम, 21 अक्टूबर (ईएमएस)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने मिलान में हिंसक प्रदर्शनों, लूटपाट और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के लिए नए उपायों की घोषणा की है। सरकार साल के अंत तक मिलान में 500 अतिरिक्त सैनिक तैनात करेगी। साथ ही, नाबालिगों की ओर से किए गए उपद्रव से हुए नुकसान की भरपाई उनके माता-पिता से कराने का प्रावधान भी किया जाएगा। सरकार की नई योजना के तहत 14 वर्ष से अधिक उम्र के नाबालिगों के खिलाफ मुकदमा चलाने की प्रक्रिया आसान बनाने का प्रस्ताव है। हिंसक प्रदर्शन में शामिल लोगों को पांच वर्ष तक की जेल और 20 हजार यूरो तक जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। सरकार ने हिंसा पर अंकुश लगाने और आरोपियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कदम उठाने की भी बात कही है। शनिवार को मिलान में प्रदर्शन के दौरान दुकानों में लूटपाट की गई, संपत्तियों में आग लगाई गई और पुलिस के साथ झड़पें हुईं। इन घटनाओं से करीब 10 लाख यूरो का नुकसान होने का अनुमान है। प्रधानमंत्री मेलोनी ने कहा कि दुकानों को लूटने, खिड़कियां तोड़ने और सुरक्षा बलों पर हमले जैसी घटनाओं को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि मंत्रिपरिषद ने हिंसा को रोकने और उससे निपटने के लिए नए उपायों वाला आदेश पारित किया है। ये कदम हाल के महीनों में मंजूर किए गए सुरक्षा उपायों के अतिरिक्त होंगे। इनमें बायोमेट्रिक पहचान के जरिए, जरूरत पड़ने पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से भी, नकाब या हुड पहनकर पहचान छिपाने वालों की पहचान करने का प्रावधान शामिल है। मेलोनी ने प्रदर्शनों में कम उम्र के युवाओं और नाबालिगों की भागीदारी पर चिंता जताई। उनके अनुसार, हिंसा में पहले से उपद्रव करने वाले समूहों के साथ बड़ी संख्या में ऐसे युवा भी शामिल थे, जो सोशल मीडिया पर वीडियो देखने के बाद छोटे-छोटे समूहों में वहां पहुंचे थे। इनमें कुछ नाबालिग भी थे, जिन पर तोड़फोड़ और चोरी करने के साथ घटनाओं के वीडियो बनाने का आरोप है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसी प्रवृत्ति पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है, ताकि हिंसक गतिविधियां दूसरों के लिए नकल का उदाहरण न बनें। सरकार का मानना है कि अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती, कानूनी कार्रवाई और नुकसान की भरपाई संबंधी प्रावधानों से सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी।



फ्रांस में हिंसा-लूटपाट के बीच मैक्रों ने ठुकराया गृह मंत्री का इस्तीफा

पेरिस, 21 अक्टूबर (ईएमएस)। फ्रांस में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटनाओं ने मैक्रों सरकार की चिंता बढ़ा दी है। सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवालों के बीच गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने इस्तीफे की पेशकश की, लेकिन राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने नुनेज इस स्वीकार करने से इंकार किया। राष्ट्रपति मैक्रों ने गृह मंत्री को हिंसा और लूटपाट रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने और सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक की स्पष्ट जानकारी देने का निर्देश दिया है। मैक्रों ने गृह मंत्री से यह स्पष्ट करने को कहा है कि हिंसा की आशंका के बावजूद उसे रोकने के लिए पर्याप्त तैयारी क्यों नहीं की गई। न्याय मंत्री गेराल्ड डारमानिन ने भी सुरक्षा व्यवस्था में चूक की बात कही। उनके मुताबिक, सरकार ने कुछ अति-वामपंथी प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों को कम करके आंका।